



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 330]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 15, 2008/भाद्र 24, 1930

No. 330]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 15, 2008/BHADRA 24, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2008

विषय : इंडोनेशिया के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कैथोड रे रंगीन टेलिविजन पिकचर द्यूबों के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

फा. सं. 14/15/2008-डीजीएडी.—मै. सैमटेल कलर लिमिटेड ने सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधित) अधिनियम, 1995 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें उन्होंने इंडोनेशिया के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पूर्ण अथवा अपूर्ण कैथोड रे रंगीन टेलिविजन पिकचर द्यूबों के कथित पाटन का आरोप लगाया है और पाटनरोधी जांच आरंभ करने और पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का अनुरोध किया है।

2. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद “पूर्ण अथवा अपूर्ण कैथोड रे रंगीन पिकचर द्यूबें हैं” जिन्हें और अधिक विस्तार से “तापायनिक, कोल्ड कैथोड अथवा फोटो कैथोड वाल्व एवं द्यूबें जैसे कि निर्वात अथवा वाष्प अथवा गैस से भरे वाल्व एवं द्यूबें, मरक्युरी आर्क रेक्टिफाइंग वाल्व एवं द्यूबें जिन्हें कैथोड रे द्यूब भी कहा जाता है, टेलिविजन कैमरा द्यूबें अथवा कैथोड रे रंगीन टेलिविजन पिकचर द्यूब या रंगीन पिकचर द्यूब इत्यादि के नाम से जाना जाता है” और इस याचिका में उन्हें रंगीन पिकचर द्यूबें अथवा ‘सीपीटी’ कहा गया है। इन उत्पादों का मुख्यतः रंगीन टेलिविजन सेटों में इस्तेमाल किया जाता है। तथापि विडियो एवं कम्प्यूटर मॉनीटर कैथोड रे द्यूबों को वर्तमान जांच के दायरे से बाहर रखने की मांग की गई है।

संबद्ध उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 85 के अंतर्गत उपशीर्ष सं. 8540.11 के तहत आता है। यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

3. घरेलू उद्योग की स्थिति

आवेदन मै0 सैमटेल कलर लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। याचिकाकर्ता ने वर्तमान जांचों से संगत सूचना उपलब्ध कराई है। संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन जेसीटी लि0, डिस्प्ले डिवासेज लि0 तथा हॉटलाइन सीपीटी लि0 द्वारा भी किया जा रहा है। याचिकाकर्ता द्वारा किया जाने वाला उत्पादन भारतीय उत्पाद के 50% से भी अधिक बनता है। तथापि क्षति अवधि के दौरान मै0 बीपीएल एवं हॉटलाइन द्वारा उत्पादन बंद कर दिया गया है। याचिकाकर्ता कम्पनी का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा बनता है। प्राधिकारी ने जांच करने के बाद यह निर्धारित किया है कि याचिकाकर्ता 2(घ) के साथ पठित नियम 2(ख) के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग है और आवेदन उपर्युक्त नियमों के नियम 5 के अर्थों में स्थिति संबंधी मानदण्डों को पूरा करता है।

4. शामिल देश

यह याचिका, इंडोनेशिया (जिन्हें एतदपरचात संबद्ध देश कहा जाएगा) से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की मांग करते हुए दायर की गई है।

5. समान उत्पाद

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं, संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं। यह कहा गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं तथा संबद्ध देश के निर्यातित वस्तुओं में कोई विशेष अंतर नहीं है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ, उपर्युक्त नियमों के अर्थों के भीतर याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं को संबद्ध देश से आयातित उत्पाद के समान वस्तु माना गया है।

6. सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता ने बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक उपरी खर्चों एवं उचित लाभ सहित उत्पादन लागत के अनुमानों पर विचार करते हुए परिकल्पित मूल्य पद्धति के आधार पर संबद्ध वस्तुओं हेतु इंडोनेशिया में सामान्य मूल्य का दावा किया है।

7. निर्यात कीमत

याचिकाकर्ता ने डीजीसीआई एण्ड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदेवार आयात आंकड़ों, गौण स्रोतों (आईबीआईएस तथा इन्फोझाइव) तथा आईसीडी, दादरी में सूचित आयातों से संबंधित वास्तविक सूचना के आधार पर प्रस्तावित अवधि में आयात कीमत के आधार पर संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत का दावा किया है। समी आकारों के लिए अलग-अलग निर्यात कीमत निर्धारित की गई है।

कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए निर्यात के देश में समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा तथा अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों के आधार पर समायोजनों का दावा किया गया है।

8. पाटन मार्जिन

कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की तुलना, सभी आकारों के लिए अलग-अलग की गई है, जिसमें प्रत्येक उत्पाद हेतु इंडोनेशिया से अत्यधिक पाटन मार्जिन प्रदर्शित होता है। यह माना गया है कि इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य कारखाना द्वार निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देश से निर्यातों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

9. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

प्राधिकारकर्ता ने घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति से संबंधित विभिन्न मानदण्डों के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है। आयातों में समग्र एवं साक्षेप अर्थों में भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में वृद्धि, अत्यधिक कीमत कटौती एवं कम कीमत पर बिक्री, वस्तुसूचियों में वृद्धि, वर्ष 2006-07 में वृद्धि के पश्चात उत्पादन एवं बाजार हिस्से में गिरावट, मांग में वृद्धि की तुलना में बिक्री मात्रा में वृद्धि में कमी, आदि मानदण्डों से प्रथम दृष्टया, सामूहिक एवं संचयी रूप से यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य है कि इन पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान में कोरिया, थाईलैण्ड, मलेशिया तथा चीन के संबंध में भी जांच की जा रही है।

10. पाटनरोधी जांच की शुरुआत

और यतः प्राधिकारी पाते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति और पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की मौजूदगी के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं अतः प्राधिकारी उपर्युक्त नियमों के नियम 5 के संदर्भ में कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस मात्रा की सिफारिश करने के लिए जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, एतद्वारा घरेलू उद्योग में कथित पाटन और उसके परिणामस्वरूप हुई क्षति की जांच प्रारंभ करते हैं।

11. जांच की अवधि (पीओआई)

वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 जुलाई, 2007 से 30 जून, 2008 (12 महीने) है। तथापि क्षति जांच की अवधि में 1 अप्रैल, 2005 से जांच की अवधि तक की अवधि शामिल होगी।

१ प्रस्तुत करना

सम्बद्ध देश के निर्यातकों, भारत स्थित उनके दूतावास के जरिए उनकी सरकार, भारत में सम्बन्धित समझे जाने वाले आयातकों और प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग से निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए अलग से सूचित किया जा रहा है। वर्तमान जांच में भागीदारी करने का इच्छुक कोई अन्य पक्षकार निम्नलिखित पते पर लिख सकता है :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी
पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग,
कमरा सं० 240, उद्योग भवन,
नई दिल्ली - 110011

उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(5) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी जांचाधीन वस्तु के औद्योगिक प्रयोक्ताओं तथा प्रतिनिधिक उपभोक्ता संगठनों को भी अवसर प्रदान कर रहे हैं जो पाटन, क्षति तथा कारणात्मकता से संबंधित जांच से संगत सूचना उपलब्ध करवा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी जांच से संगत अपने अनुरोध नीचे निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रस्तुत कर सकती है।

13. समय सीमा

वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित में भेजी जानी चाहिए जो इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस (40) दिनों से पूर्व उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास पहुँच जाए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है उन्हें उक्त सूचना, उन्हें लिखे गए पत्र की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर प्रस्तुत करनी होगी। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है या प्राप्त सूचना अधूरी है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उपर्युक्त नियमों के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

14. अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षों द्वारा प्राधिकारी को प्रदत्त किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है और यदि ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्ष की राय में यदि सूचना का सारांश करना सम्भव नहीं है, तो उसके कारणों का विवरण प्रदान किया जाना अपेक्षित है।

15. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्ष उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है। जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

16. असहयोग

यदि कोई हितबद्ध पक्ष आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है, अथवा उचित समय के भीतर इसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है, तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 15th September, 2008

Subject : Initiation of anti-dumping investigations concerning imports of Cathode Ray Colour Television Picture Tubes originating in or exported from Indonesia.

F. No. 14/15/2008-DGAD.— M/s Samtel Color Limited has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 alleging dumping of complete or incomplete cathode ray colour television picture tubes originating in or exported from Indonesia and have requested for initiation of anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties.

2. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

The product under consideration in the present petition is "complete or incomplete cathode ray colour television picture tubes", more elaborately described as "thermionic, cold cathode or photo cathode valves and tubes such as vacuum or vapor or gas filled valves and tubes, mercury arc rectifying valves and tubes, also called cathode ray tubes, television camera tubes or cathode ray colour television picture tubes, or colour television picture tubes, or colour picture tubes etc." and has been referred to as Colour Picture Tubes or "CPT" in this petition. These products are mainly applied in colour television sets. Video and computer monitor cathode ray tubes are however sought to be kept beyond the scope of the present petition.

The subject goods fall under Chapter 85 of the Custom Tariff Act, 1975 under subheading no. 8540.11. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

3. DOMESTIC INDUSTRY STANDING

The application has been filed by M/s Samtel Color Limited. The petitioner has provided information relevant to the present investigations. The subject goods are also produced by JCT Ltd., BPL Display Devises Limited and Hotline CPT Limited. Production of the petitioner constitutes more than 50% of Indian production. The production by M/s BPL and Hotline, however, have stopped during the injury period. Production of the petitioner company constitutes a major proportion in Indian production. The Authority after examination, has determined, that the petitioner constitutes domestic Industry within the meaning of the rule 2(b) read with 2(d) and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

4. COUNTRIES INVOLVED

Petition has been filed seeking imposition of anti dumping duties on imports of the product under consideration from Indonesia (hereinafter also referred to as subject country).

5. LIKE GOODS

The petitioner has claimed that goods produced by domestic industry are like articles to the goods originating in or exported from subject country. It has been stated that there is no significant difference in the subject goods produced by the petitioner and those exported from subject country. Petitioner claims that the two are technically and commercially substitutable. For the purpose of present investigation, the goods produced by the petitioner are being treated as Like Articles to the product imported from the subject country within the meaning of the Rules supra.

6. NORMAL VALUE

The petitioner has claimed normal value in Indonesia for the subject goods on the basis of constructed value method by considering estimates of cost of production including selling, general & administrative overheads and reasonable profit. Normal value has been separately determined for all sizes.

7. EXPORT PRICE

Petitioner has claimed export price of the subject goods from the subject country on the basis of import price in the proposed period, based on transaction wise import data provided by the DGCI&S, secondary sources (IBIS and Infodrive) and actual information on imports reported at ICD, Dadri. Export price has been separately determined for all sizes.

Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance and inland transportation in the country of exports, port handling and port charges to arrive at ex-factory export price. There is sufficient evidence of the export price for the subject goods from the subject country.

8. DUMPING MARGIN

Normal value and export price have been compared at ex-factory level, separately for all sizes, which shows significant dumping margin from Indonesia for each of the

product. It is considered that there is sufficient prima facie evidence that the normal value of the subject goods in the subject country is significantly higher than the ex-factory export price indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by exporters from the subject country.

9. INJURY AND CAUSAL LINK

Petitioner has furnished information on various parameters relating to material injury to the domestic industry. Parameters such as increase in imports in absolute terms as also relative to production and consumption in India, significant price undercutting and underselling, increase in inventories, decline in production and market share after increase upto 2006-07, significant deterioration in profits, cash flow and return on investment, increase in sales volumes less than increase in demand, prima facie, collectively and cumulatively indicate that the domestic industry has suffered material injury on account of dumping of subject goods from subject country. There is sufficient prima facie evidence that the domestic industry has suffered material injury as a result of these dumped imports. The Authority notes that investigations are also being conducted at present in respect of imports from Korea, Thailand, Malaysia and China.

10. INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of subject goods from the subject country, injury to the domestic industry and causal link between dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rule 5 of the said Rules to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

11. PERIOD OF INVESTIGATION (POI)

The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1st July, 2007 to 30th June, 2008 (12 months). However, the period for injury examination would cover periods from 1st April 2005 to the end of the POI.

12. SUBMISSION OF INFORMATION

The exporters in the subject country and its Government through its embassy in India, importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

The Designated Authority,
Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties
Ministry of Commerce & Industry,

Department of Commerce,
Room No. 240, Udyog Bhavan,
New Delhi-110011

As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation, and to representative consumer organizations who can furnish information which is relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

13. TIME LIMIT

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty (40) days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within (40) forty days from the date of the letter addressed to them. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

14. SUBMISSION OF INFORMATION ON NON-CONFIDENTIAL BASIS

In terms of Rule 7, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided.

15. INSPECTION OF PUBLIC FILE

In terms of Rule 6(7), Designated Authority maintains a public file. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

16. NON COOPERATION

In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Designated Authority may record findings on the basis of facts available and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

R. GOPALAN, Designated Authority